उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पर्यावरणीय अध्ययन (Environmental Studies) पाठ्यक्रम

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सी.बी.सी.एस. में ए.ई.सी.सी. के अन्तर्गत अनिवार्य विषय)

कक्षा–शास्त्री ऑनर्स प्रथम सेमेस्टर **(AECC-2)** (समस्त विषय)
(सत्र 2018-2019 से प्रभावी)

क्रेडिट –02
समय : 03 घण्टे

कुल अंक : 100
सैद्धान्तिक : 80 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन : 20 अंक

इकाई – 1

पर्यावरण विज्ञान एवं संरक्षण :

- पर्यावरण विज्ञान की बहुविषय की प्रकृति, कार्यक्षेत्र तथा महत्व
- महाकवि कालिदास प्रणीत अभिज्ञान शाकुन्तलम् नाटक में पर्यावरणीय संरक्षण
- भारतीय शास्त्रों में वृक्षों का महत्व एवं संरक्षण
- वैदिक साहित्य में पर्यावरण संरक्षण एवं पारम्परिक मूल्यों की संकल्पना

इकाई – 2

पर्यावरणीय प्रदूषण :

- पर्यावरण प्रदूषण (कारण, प्रभाव तथा नियन्त्रण) :
    - वायु प्रदूषण
    - जल प्रदूषण
    - मृदा प्रदूषण
    - ध्वनि प्रदूषण
    - रेडियोधर्मी प्रदूषण
- ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन
- प्रदूषण केस अध्ययन

इकाई – 3

जैव विविधता (परिचय तथा सेवाएँ) :

- सामान्य परिचय : जैव विविधता की परिभाषा एवं प्रकार,
- भारत के जैव भौगोलिक क्षेत्र
- जैव विविधता के तप्त स्थल (Hot Spots)
- भारत की संकटापन्न (Endangered) तथा स्थानिक (Endemic) प्रजातियाँ
- जैव विविधता सेवाएँ : पारिस्थितिकी, आर्थिक, विकल्प, सौंदर्यात्मक, सूचनात्मक आदि मूल्य

इकाई – 4

जैव विविधता तथा संरक्षण :

- जैव विविधता को खतरे :आवासीय क्षेत्र का विनाश, शिकार, मानव–जंगली जीव संघर्ष, जैविक अतिक्रमण आदि
- जैवविविधता का संरक्षण : संस्थितिक *(In Situ)* तथा असंस्थितिक *(Ex Situ)* संरक्षण

इकाई – 5

मानवीय समुदाय तथा पर्यावरण :

- मानव जनसंख्या वृद्धि :कारण, पर्यावरण पर प्रभाव तथा नियंत्रण के उपाय
- आपदा प्रबन्धन : बाढ़, भूकम्प, चक्रवात तथा भूस्खलन
- पर्यावरणीय नैतिकता
- समपोषणीयता तथा समपोषित विकास की संकल्पना

इकाई – 6

क्षेत्रीय/प्रयोगात्मक कार्य :

- पर्यावरणीय सम्पदा : नदी/वन/वनस्पति/जन्तु आदि से सम्बन्धित सूचनाएँ संग्रहित करने के लिए एक क्षेत्र का भ्रमण
- उत्तराखण्ड के प्रमुख औषधीय पौधों की पहचान तथा विवरण

अंक विभाजन :– पर्यावरणीय अध्ययन का प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा, जिसमें से 80 अंक सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र एवं 20 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं। 80 अंक के सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र में 04 खण्ड होंगे जिसमें प्रथम 03 खण्डों हेतु इकाई–01 से इकाई–05 में से प्रश्न पूछे जाने हैं तथा अन्तिम चतुर्थ खण्ड हेतु 02 निबन्धात्मक प्रश्न इकाई–06 से पूछे जाने हैं। प्रथम खण्ड 10 अंकों का होगा, जिस में 01–01 अंक के 10 बहुविकल्पीय/अति लघुउत्तरीय/रिक्त स्थान/सत्य–असत्य आदि प्रकार के प्रश्न पूछे जाने हैं। विद्यार्थी को सभी 10 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। द्वितीय खण्ड में 07 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाने हैं जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं 04 प्रश्नों के उत्तर देने हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का है। तृतीय खण्ड में 04 विस्तृत उत्तरीय प्रश्न पूछे जाने हैं जिसमें विद्यार्थियों को किन्हीं 02 प्रश्नों का उत्तर देना है तथा प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। चतुर्थ खण्ड हेतु 02 निबन्धात्मक प्रश्न इकाई–06 से पूछे जाने हैं जिसमें से विद्यार्थी को किसी 01 प्रश्न का उत्तर देना है तथा यह प्रश्न 20 अंक का है।

Vinay Sethi